बुनकरों को स्वास्थ्य बीमा योजना का मिलेगा लाभ

संत कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बुनकरों को किया सम्मानित। -अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

बुनकरों को पुत्री के विवाह के लिए वित्तीय मदद व बच्चों को मिलेगी छात्रवृत्ति

एमएसएमई मंत्री ने संत कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में की घोषणा

लखनऊ। प्रदेश सरकार बुनकरों को बड़ा तोहफा देते हुए स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ देने जा रही है। यही नहीं, सरकार उन बुनकरों को अपने संसाधन से बीमा योजना का लाभ देगी, जो अभी तक किसी भी योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा का लाभ नहीं ले रहे हैं। साथ ही बुनकरों को उनकी पुत्री के विवाह के लिए वित्तीय मदद के साथ ही बच्चों की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति भी दी जाएगी।

यह घोषणा प्रदेश के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) राकेश सचान ने मंगलवार को यहां आयोजित संत कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में की। इस अवसर पर उन्होंने राज्य स्तर के 12 एवं परिक्षेत्रों से 39 बुनकरों को नकद राशि, शील्ड व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि बुनकर समाज सदियों पुरानी कला को संरक्षित रखने का काम कर रहा है। हथकरघा उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार हर संभव मदद करेगी। इस उद्योग में रोजगार की सबसे ज्यादा संभावनाएं है। यूपी को 10 खरब डॉलर इकोनॉमी बनाने में बुनकरों का अहम योगदान होगा। उन्होंने कहा कि बुनकरों को उनके उत्पाद का वाजिब मूल्य मिले, इसके लिए ई-कामर्स प्लेटफार्म से उनको जोड़ा जा रहा है।

इस मौके पर अपर मुख्य सचिव एमएसएमई डॉ. नवनीत सहगल ने कहा कि पारंपरिक हुनर का प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका है। इसलिए सरकार प्राचीन कला और पारंपरिक हुनर को तेजी से आगे बढ़ा रही है। इसका ही परिणाम है कि 2017 में जहां प्रदेश से निर्यात 88 हजार करोड़ था, वहीं 2022 में बढ़कर एक लाख 56 हजार करोड़ हो गया है। इसमें 'एक जिला, एक उत्पाद' (ओडीओपी) की लगभग 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है।